

१

इलाहाबाद विकास प्राधिकरण

पत्रांक : 57 / प्र०३०-भवन / जोन 1 / 2013-14 दिनांक 26/11/2013

अनुमति-पत्र

यह अनुमति उत्तर प्रदेश नगर नियोजन तथा विकास आधिकारिक 1973 की धारा 14 व 15 के अन्वयत दी जाती है, किन्तु अर्थ यह न सुगझना याहिये कि उस भूमि के सम्बन्ध में डिस्ट्रिक्ट पर कार्यालय भवन मानविक्री स्टीकूट किया जा रहा है। इसारी किरी प्रकार या लिखी स्थानीय निकाय द्वा हस्तका स्थानीट अधिकारी द्वा व्यावेत अथवा कर्ता के गालियाना अधिकारी पर फिरी का कोई असर पड़ेगा अर्थात् यह अनुमति किसी के गैलिकरत एवं रबमिल्ट के अधिकारी के विरुद्ध लोई प्रशाव न रखेगी।

श्री प्रियदर्शी सचदेवा पुत्र श्री डीएस० सचदेवा द्वारा पार्ट आफ साईट नं०-५३ एवं ५३/४ सिविल स्टेशन, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग एवं कालिकन मार्ग का कोना इलाहाबाद जोन संख्या (1) के अन्वयत कार्यालय भवन निर्माण की अनुमति हेतु डाक्यिल भवन नामिक्र के प्रस्तावित भाग पर निर्माण की अनुमति निर्माणित प्रतिबद्धों के अधीन प्रदान की जाती है :-

1. उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास आधिकारिक 1973 की धारा 15ए (1) के प्राविकारों के अनुरूप गूणता प्रमाण पत्र प्र०५८ द्वारा के पश्चात ही उपरोक्त/अधिमोग किया जायेगा, भवन निर्माण एवं विकास उपरिक्षि 2008 मे उपरियोग संख्या-2.1.8 एवं 3.1.8 मे निर्धारित प्रक्रिया पूर्ण कर पूर्णता प्रमाण-पत्र प्राप्त करना आवश्यक है।
2. यह स्टीकूट अनानेन (Provisional) स्टीकूट के रूप मे होगी। निर्माण पूर्ण होने के उपरान्त, राजी उद्देश्यक Mandatory Clearances/N.O.C की शर्तों भूमि कर्ता के पश्चात, निर्गत किये जाने वाले 'पूर्णता प्रमाण-पत्र' प्राप्त करने के बाद ही इस परितर का वास्तविक उपयोग गे लाया जा सकेगा।
3. स्ट्रॉक पर 4X5 फिट का एक बोर्ड लगाकर स्टीकूट सम्बन्धी विवरण, आविष्कार करना होगा।
4. स्ट्रॉक पर 02 अद्य दृष्टि लगाने होंगे तथा दृष्टि को हरा-भरा रखने का दायिता आवेदक का होगा।
5. आप द्वारा मार्ग दिल्लार हेतु छोड़ी गयी भूमि पर एफ०एच०ए० Achieve किया जा रहा है, अतएव मार्ग दिल्लार हेतु छोड़ी जाने हाली भूमि का नुआपजा किसी भी हिसाग री प्राप्त नहीं किया जाएगा।
6. बेसमेन्ट ने राशिक प्रकाश एवं सवान्तन की व्यवस्था करनी होगी तथा निर्माण कार्य गूलमरणीय किया जाना। भुग्नीश्वत किया जाय तथा पूर्णता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के पूर्व स्ट्रॉकचरल इंजीनियर का प्रमाण पत्र प्राप्त करना आवश्यक होगा।
7. मार्ग दिल्लार हेतु छोड़ी जाने वाले भूमि पर लोई भी निर्माण निषिद्ध होगा। तथा नान्चित्र रखा निरस्त समझा जायेगा।
8. रथाल वा अधिभोग/उपयोग स्टीकूट प्रस्तावना को अनुसार ही अनुनाय होगा, डिस्ट्रिक्ट बेसमेन्ट ने रथाल, स्ट्रॉक पर गार्केग, प्रथग एवं द्वितीय तथा तृतीय तल पर कार्यालय भवन का निर्माण/उपयोग अनुमत्य होगा, अन्दर्था की रिथरि में मनविक्री स्तर निरस्त समझा जायेगा।
9. नगर शायुक्त, नार निवास इलाहाबाद द्वारा भविष्य में लोई भी विलीय देवता/प्रतिवर्त्त आवश्यित किये जाते हैं तो उसका अकरण अनुपालन बाध्यकारी होगा।
10. माननीय न्यायालय में कोई वाद होने अथवा उत्पन्न होने की रिथरि में प्रदत्त स्टीकूट नान्चित्र न्यायालय के निर्वाचक के अधीन होंगी, रबमिल्ट तम्बन्धी किसी भी विवाद पर नान्चित्र रथाल निरस्त समझा जायेगा।

Continued

१६/११/२०१३

